# श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

**प्रथम वर्ष - अभ्यास - १०**

मार्च २०२०

गुणांक - १००

## प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

**प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो -** २०

१. कई जीव अपने उपर अपकार करनेवालों पर ..... करनेवाले होते है ।
२. आदि याने शुरुआत जो शुरुआत सहित है उसे ..... कहते है ।
३. जहाँ ..... है वहाँ क्रोध, लोभ, भय, हास्य है ।
४. लक्ष्य चुक जाये तो ..... भुलाया जाता है ।
५. वीर प्रभु पेढाल गांव के बाहर..... चैत्य में अट्ठम तप कर एक रात्री की पडीमा धारण कर रहे ।
६. तप करने के लिए मनोबल और..... को द्रढ करने की आवस्यकता है ।
७. बादल खारा पानी पीकर..... जल बरसाते है ।
८. सभी दुःखो का मूल कारण..... है, अधर्म है ।
९. सिर्फ मांगने से वस्तु नहीं मिलती इसके लिए ..... चुकानी पडती है ।
१०. सभी पच्चक्खाण विधिपूर्वक ..... गिन कर पारने के है ।
११. महानता तो खुद के सुख को ..... बनाकर दुसरें के सुख को मुख्य बनाने में है ।
१२. जैन साधु के वेष में मोक्ष जाये वें ..... सिद्ध कहलाते है ।
१३. त्रिफला ..... पदार्थ है ।
१४. अकबर को अहिंसा का पुजारी..... महाराज ने बनाया ।
१५. वैशाली नगरी में ..... नामक भवनपति के देव ने आकर वंदन किया ।
१६. भोजन के बाद..... पानी पीने की छूट है ।
१७. एक बार लक्ष्य निश्चित हो जाये फिर जीवन में ..... मजबुत होगा ।
१८. एक निगोद का अनंतवा भाग ही..... में गया है ।
१९. व्यवहार सम्यगदर्शन के लिए..... के वचनो पर अडिग श्रद्धा अनिवार्य है ।
२०. चावल का थोडा आटा डालकर पकाये दूध को ..... कहते है ।

**प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो -** १५

१. पुंडरिकस्वामी कौन से सिद्ध कहलाते है ?
२. पच्चक्खाण में किसका लाभ होता है ?
३. हमारा जीवन - आधार कौन है ?
४. प्रभुको कौनसे आसन में केवल्यज्ञान हुआ ?
५. तप के साथ क्या अनिवार्य है ?
६. दहीं में भात मिलाया जाय उस क्या कहते है ?
७. साथ साथ किसको पाने के लिए सतत पुरुषार्थ करना है ?
८. वीर प्रभु ने दसवां चातुर्मास कौनसी नगरी मे किया ?
९. श्री शांतिसूरिस्वरजी म.सा. ने किस में से संक्षिप्त करके इस जीवविचार को आलेखित किया है ?
१०. किसके जन्म समय में अकाल सुकाल में परिवर्तित हुआ ?
११. दधिवाहन राजा की पुत्री कौन थी ?
१२. मन को वश करने की सज्जाय किसने लिखी है ?
१३. दो वक्त बैठकर भोजन करे वह कौनसा तप कहलाता है ?
१४. आवला स्वादिम है तो आम क्या है ?
१५. कौशांबी नगरी में वीर प्रभु को वंदन करने कौन आए ?

**प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो -** १०

१. पुग्गल २) सायरम्मि ३) धृत ४) जाणई ५) लोहा ६) जीवाणं ७) मीतं ८) चुलसी लख्खा ९) फासिअं १०) भावेण ११) अणेगा १२. तिथ्थ १३) पत्तेय १४) अणंता १५) वयणाइं १६) अणागय १७) निच्चलं १८) थी १९) नत्थि २०) मणे

**प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) -** १०

| A | B | A | B |
|---|---|---|---|
| १) कामदेव श्रावक | १) धाम | ६) शाश्वत | ६) प्रकरण |
| २) धर्मरत्न | २) उत्पात | ७) स्थानदान | ७) औषधि |
| ३) संरोहिणी | ३) सूत्र | ८) अमारिपडह | ८) पौषध |
| ४) उतराध्यन | ४) कुमारपाल राजा | ९) मक्खन | ९) अभक्ष्य |
| ५) बिच्छु | ५) मेघकुमार | १०) चमरेन्द्र | १०) संत |

**प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो -** १०

१. अंधो के प्रकार कितने ?
२. संगमदेवने एक रात में वीर प्रभु को कितने उपसर्ग किये ?
३. अचित पानी के आगार कितने ?
४. जीवों की योनियाँ कितनी लाख ?
५. प्रभु वीर के तप और पारणे के सब दिन कितने ?
६. विद्यार्थी को बारहवीं में कितने गुण लाने थे ?
७. समकित के लक्षण कितने ?
८. छ विगई की निवियाता कितनी ?
९. मनुष्य की योनि कितनी लाख ?
१०. आहार के प्रकार कितने ?

**प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही ( ✔ ) हैं या गलत (×) बताओ -** १०

१. वीर प्रभु का कान में खीले निकालने का उपसर्ग उत्कृष्ट में उत्कृष्ट था ।
२. तिविहार उपवास में उबाला हुआ पानी पोरिसि पच्चक्खाण के पश्चात वापर सकते है ।
३. नमक डालकर मंथन किया हुआ दहीं उसे शिखरणी कहते है ।
४. खजुर,खोपरा पाणं है ।
५. कृतज्ञता को दूर हटायें, कृतघ्नता का स्वामी बने ।
६. प्रभुजी ने जो जो तप किये वे चौविहारी थे ।
७. पेथडशा ने दानशालाए खोलकर पुण्यधन एकत्रित किया था ।
८. जीव की शीव यात्रा का प्रबल आलंबन सर्वज्ञ भगवंत के वचन है ।
९. मानव जब स्वार्थी बनता है तब सारासार का विवेक खो बैठता है ।
१०. नरक के नीचे के प्रतर में शीत योनि होती है ।

**प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो -** १०

१. कभी यह जीव राजा बना, कभी भिखारी बना ।
२. तेल में पडे औषध की तरी ।
३. नींद और आराम भी करना नहीं है ।
४. मार्ग में आने वाले सारे विघ्नो को दूर करे ।
५. इंट का जवाब पत्थर से देने में मानने वाले होते है ।
६. वह कर्म महावीर के भव में उदय में आया ।
७. आप उसे क्यों बचा रहें हो ।
८. यह संसार कैसा है ?
९. ससार मर्यादित बनता है ।
१०. शिवमस्तु सर्व जगतः परहित निरत्ता भवन्तु भूतगुणा ।

**प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ -** १५

१. अखूट खजाना - नव तत्व
२) लब्ध लक्ष्य विद्यार्थी - संक्षिप्त में समझाओ ।
३. वीर प्रभु का अभिगृह
४) गुरु, अब्भुठाणेणं, ससित्थेणवा समझाओ ।
५. पकवान्न के निवियाता

**उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :**
शत्रुंजय अॅकेडमी, श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालीसगांव - ४२४ १०१. जि. जलगांव, मो. ९०२८२४२४८४
सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com